दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

भोपाल, 3 मई 2025

सत्यकथा

भोपाल : मुस्लिम युवकों के गिरोह ने किया हिंदू युवतियों का शोषण, गांजा पिलाया, गोश्त खिलाया, कराया देह-व्यापार

The भोपाल स्टोरी

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'द केरल स्टोरी' 'लव जिहाद' के मसले पर बनी है। फिल्म तीन युवतियों की कहानी है, जिनके साथ कई मुस्लिम युवकों द्वारा दोस्ती के नाम पर शारीरिक संबंध बनाए जाते हैं और फिर उनका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जाता है। भोपाल में सामने आई घटना इस फिल्म का रीमेक कही जा सकती है जहां लगभग दर्जन भर मुस्लिम युवक अन्य शहरों से भोपाल में पढ़ने के लिए आईं हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहे थे।

दिलों को दहला देने वाली यह सत्य घटना वैसे तो दर्जनों युवतियों के दर्द का दस्तावेज है लेकिन इस मामले में अभी तक चार युवतियों ने सामने आकर कानून के दरवाजे पर इन दरिंदों का काला चिट्ठा बखान किया है। संगठित गिरोह की तरह हिंदू युवतियों को टारगेट बनाने वालों में अब तक सरगना के रूप में चंबल कालोनी ऐशबाग भोपाल निवासी फरहान का नाम सबसे ऊपर है। फरहान के पिता टैक्सी चलाते हैं और खुद फरहान पुरानी कारों की खरीद बिक्री की दलाली करने के साथ-साथ दिखावे के लिए भोपाल के एक निजी कॉलेज में एमबीए का छात्र भी है ताकि बाहर शहरों से भोपाल में पढ़ने के लिए आने वाली नई-नई युवतियों का शिकार करने में आसानी हो। गिरोह में नंबर दो पर अली नाम का युवक है। इसके अलावा गिरोह में शामिल अन्य जो नाम अब तक सामने आए है उनमें मोहम्मद साद, साहिल, अरबाज, अयान, जावेद उर्फ भय्यू, शाहरुख और फैजान के अलावा फैजान की बेगम जोया का नाम भी शामिल है। जोया इस गिरोह की पहली महिला जरूर है लेकिन आखिरी नहीं क्योंकि पुलिस कई आरोपियों के परिवार की मां-बहनों की इस अपराध में भूमिका की जांच कर रही है। इसलिए फिरहाल संभावना यही है कि कुछ और महिला सदस्यों के नाम आरोपी के तौर पर सामने आ सकते हैं।

नीलेन्द्र पटेल

भोपाल में हिंदू युवतियों के साथ जो कुछ हुआ वह पहली घटना नहीं है। सबसे पहले ऐसी घटना 1993 में अजमेर में सामने आई थी जहां कुछ मुस्लिम युवकों ने पहले एक रईस परिवार के युवक को अपनी वासना का शिकार बनाकर उसे आजादी देने के बदले में उसकी प्रेमिका की अस्मत का सौदा किया था।

शेष पृष्ठ 4 पर...

लव जिहाद की मानसिकता किस हद तक दिमाग में हावी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मामले में कई आरोपियों की बहन, बीवी और माशूकाएं अपने भाई, शौहर और माशूक की अय्याशी के लिए हिंदू युवतियों का मांइड वॉश कर उन्हें इनके साथ संबंध बनाने को प्रेरित कर रहीं थी।

शहडोल

मन भरा गया तो लिव इन पार्टनर ने गला दबाकर कर दी प्रेमी की हत्या

demo pic.

राजेन्द्र मिश्रा

सुरेश का मन अपनी पत्नी से और सीमा का मन अपने पति से भर चुका था। इसलिए नए घोंसले की तलाश में भटक रहे दोनों पंक्षी एक रोज एक ही डाल पर आ बैठे। जिसके बाद शुरू हुई इनकी प्रेम कहानी चाहत की नदी में बहते हुए जब नफरत के दलदल में आ फंसी तो सीमा ने सुरेश से छुटकारा पाने उसकी गर्दन दबाकर हत्या कर दी।

शहडोल जिले में धनपुरी थाना सीमा के संग्राम सिंह सफाई मोहल्ले के एक घर में 22 अप्रैल की सुबह से ही महिला के रोने की आवाज सुनकर पूरा मोहल्ला उसके घर के बाहर जमा हो चुका था। इस घर में 28 साल की सीमा अपने पति सुरेश के साथ रहती थी। सीमा की पांच साल की एक बेटी भी थी जो उस रोज कुछ ही दूरी पर रहने वाली अपनी नानी के घर सो रही थी।

आवाज सीमा (बदला नाम) के रोने की थी जिसे पहचान कर मोहल्ले की

पलंग पर पड़ा सुरेश का शव।

महिलाएं बार-बार दरवाजा पीटते हुए उससे दरवाजा खोलने का बोल रही थी। लेकिन काफी देर तक सीमा ने दरवाजा नहीं खोला तो लोग पड़ोस में रहने वाली सीमा की मां को बुलाकर लाए लेकिन जब मां के आवाज लगाने पर भी सीमा ने दरवाजा नहीं खोला तो गांव के सरपंच ने धनपुरी थाना प्रभारी खेमसिंह को इस बात की जानकारी दे दी। पुलिस टीम भी कुछ देर तक परेशान रही मगर सीमा ने गेट नहीं खोला तो दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई पुलिस कमरे में पलंग पर पड़ी सुरेश की लाश देखकर चौंक गई।

पुलिस के घर में दाखिल होने के बाद भी सीमा अपनी जगह पर बैठी लगातार रोए जा रही थी। पूछने पर उसने बड़ी मुश्किल से बताया कि रात में यह शराब पीकर सोए थे लेकिन सुबह उसने देखा तो शरीर ठंडा पड़ चुका था।

पति की मौत किसी भी स्त्री के लिए बहुत बड़े दुख का सबब होती है। लेकिन ऐसा भी क्या कि पत्नी लाश के पास बैठी रोती रहे मगर पूरे गांव के कहने पर दरवाजा न खोले। 32 साल की हट्टे-कट्टे सुरेश की यूं अचानक मौत संदिग्ध थी। इसलिए जब जांच के दौरान पुलिस को सुरेश के गले पर काला निशान दिखाई दिया तो सीमा सीधे-सीधे शक के दायरे में आ गई। क्योंकि रात में मां और पिता का झगड़ा हुआ था यह बात नानी के घर जाकर सोई सीमा की बेटी पुलिस को बता चुकी थी।

बहरहाल आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस ने पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जिसमें गला दबा कर सुरेश की हत्या की बात सामने आने पर सीमा को थाने बुलाकर उससे पूछताछ की गई। जिसमें सीमा लगातार सुरेश की मौत के लिए शराब को जिम्मेदार ठहराती थी। उसका कहना था कि शायद शराब जहरीली रही होगी इसलिए सुरेश की मृत्यु हुई है। उसकी इस बात से पुलिस समझ गई कि सीमा जरूरत से ज्यादा समझदार बनने की कोशिश कर रही है। वैसे भी पुलिस इस बात की जानकारी पहले की मिल चुकी थी कि सीमा और सुरेश ने आपस में शादी नहीं की थी। दोनों लिव इन में साथ रह रहे थे और सीमा की लड़की उसके पहले पति से थी जिसे वह छोड़कर अपने मां के पास आकर धनपुरी में रह रही थी।

इसलिए पहले तो पुलिस ने आराम से सीमा को सच स्वीकार करने को कहा लेकिन जब उसने अपना रवैया नहीं बदला तो महिला पुलिस ने जब उसे कानून का भय दिखाया तो उसने सुरेश की हत्या करने की बात स्वीकार करते हुए पूरी कहानी सुना दी।

सीमा की शादी कोई 10 साल पहले 18 की उम्र में पास के एक गांव में हुई थी। पति से उसे एक बेटी भी हुई जिसके बाद पति-पत्नी में विवाद होने के कारण जल्द ही सीमा का मन अपने पति से ऊब गया। बताया जाता है कि सीमा सोशल मीडिया पर काफी उत्तेजक रील बनाकर डालती रहती थी और यह बात उसके पति को पसंद नहीं थी। वैसे चर्चा है कि सीमा के संबंध किशोर उम्र में ही गांव के कई युवकों के साथ रह चुके थे इसलिए एक की होकर वह ज्यादा समय तक रह भी नहीं सकती थी। बहरहाल कारण जो भी रहा हो पति से विवाद के चलते सीमा को चार साल पहले अपनी बेटी को लेकर मां के पास धनपुरी आकर रहने लगी।

कहानी का नायक सुरेश अनूपपुर जिले में चचाई थाने की चौकी देवहरा की सीमा में बसे गांव डोंगरा टोल वार्ड नंबर 3 का रहने वाला है। सुरेश गांव में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। संयोग से सुरेश भी एक नारी के साथ ज्यादा दिनों तक खुश नहीं रह सकता था इसलिए नई प्रेमिका की तलाश में जुटे सुरेश की एक रोज फेसबुक पर मुलाकात सीमा से हुई। दरअसल सुरेश ने सीमा की कई रील सोशल मीडिया पर देखी थी और तभी से वह उसका दीवाना था। सीमा को भी नए साथी की तलाश थी इसलिए जल्द की उनके बीच दोस्ती हो जाने के बाद जब सुरेश ने सीमा से मिलने को कहा तो एक रात सीमा ने उसे चुपचाप अपने गांव के बाहर बगीचे में मिलने का बुलाया।

आधी रात में दोनों की खुले आसमान तले पहली मुलाकात हुई जिसमें उन्होंने एक दूसरे के साथ जी भर कर दैहिक सुख लूटा और जल्द मिलने का वादा कर अपने-अपने रास्ते चले गए। इसके बाद रात प्यार करते हुए बिताया। चूंकि सीमा के मां पड़ोस में ही रहती थी इसलिए सीमा अपनी बेटी को मां के पास भेज देती जिसके बाद दिन के समय में भी उनके घर का दरवाजा दिन भर बंद ही रहता।

पीएम रूम के बाहर बैठे सुरेश के परिजन तथा पुलिस गिरफ्त में सीमा।

सीमा अक्सर सुरेश को आधी रात में मिलने के लिए बुलाने लगी जहां दोनों रात भर वासना का खेल खेलने के बाद अपने अपने घर चले जाते। इसी बीच एक रोज सुरेश ने कहा कि जब हमें रोज रात में मिलना ही है तो क्यों न हम एक साथ रहने लगे। सीमा को भी बात जम गई जिसके बाद कोई दो साल पहले सुरेश गांव में अपनी पत्नी को छोड़कर धनपुरी में संग्राम सिंह सफाई मोहल्ले में एक किराये का मकान लेकर सीमा के साथ रहने लगा।

सीमा और सुरेश दोनों की कामुक प्रवृति के थे इसलिए बिन फेरों की इस शादी के बाद का कुछ समय दोनों ने दिन

छोड़ने राजी नहीं था इसलिए मार डाला

सीमा ने पुलिस को बताया कि सुरेश शराब पीने के अलावा दूसरी औरतों के पास जाने लगा था। इसलिए मैं भी उससे छुटकारा पाकर किसी दूसरे युवक के साथ रहना चाहती थी। मगर सुरेश मुझे छोड़ने तैयार नहीं था। इसलिए घटना की रात वासना की पूर्ति के लिए उसने मेरी बेटी के पेट में लात मारी तो मैंने उसका हिसाब करने का फैसला करने के बाद उसे प्यार के दौरान बेहद थका दिया जिसके बाद जब वह गहरी नींद सो गया तो गला दबाकर हत्या कर दी।

उनकी मदद से ऐसी औरतों की जानकारी मिल सके जो पैसों के बदले यह काम करती हो। इसका नतीजा यह हुआ कि सुरेश जो पहले से ही शराब पीता था अब दोस्तों के साथ रोज-रोज शराब पीने लगा। सीमा ने ऐसा करने से मना किया तो उनके बीच विवाद होने लगा। इस पर सीमा ने उससे गांव छोड़कर चले जाने को कहा। लेकिन सुरेश इसके लिए तैयार नहीं था। जबकि सीमा चाहती थी कि सुरेश उसे छोड़कर चला जाए तो वह किसी दूसरे युवक के साथ रह लेगी। इसलिए छोड़कर जाने के लिए सीमा के इंकार से वह परेशान थी। इस दौरान सीमा को इस बात की जानकारी लग चुकी थी कि सुरेश दूसरी औरतों से संबंध बनाने की फिराक में है। इसलिए वह उससे नफरत करने लगी थी। ऊपर से सुरेश शराब पीकर आता तो अपनी वासना का भूत उतारने के लिए सीमा के ऊपर टूट पड़ता। इतना ही नहीं कई बार तो पांच साल की बेटी जाग रही होती तो उसके सोने का इंतजार भी नहीं करता और उसके सामने ही सीमा के कपड़े खींचने लगता।

दोनों पहले से शादीशुदा थे

मृतक सुरेश और आरोपी सीमा।

लिव इन रिलेशन में रहने वाले सुरेश और सीमा पहले से ही शादी शुदा थे। सीमा अपने पति को छोड़कर मायके में आकर रह रही थी। जबकि सुरेश ने सीमा से दोस्ती हो जाने के बाद अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर सीमा के गांव में आकर उसके साथ रहना शुरू कर दिया था।

सीमा ने बताया कि घटना की रात यही हुआ पहले तो उसने आकर शराब पीने के लिए पैसे मांगे जब मैंने उसे पैसा देने से मना किया तो मेरे साथ मारपीट कर पैसा लेकर चला गया। इससे मैंने उससे छुटकारा पाने की ठान ली क्योंकि उसी दिन गांव की एक औरत ने मुझे बताया था शेष पृष्ठ 7 पर...

अशोकनगर

चर्चित, विवादित और पुलिस की जांच पर सवाल उठाता अंकित नरवरिया हत्याकांड

कितने आदमी थे

एक जनवरी की रात में हुई नामी फोटोग्राफर अंकित नरवरिया की हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर भले की अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली हो लेकिन जनमानस अंकित की हत्या के पीछे बताई गई पुलिस की कहानी को अधूरा सच मान रहा है।

दो जनवरी की दोपहर के कोई दो-ढाई बजे का वक्त था जब अशोकनगर वर्धमान स्कूल के पास रहने वाले नरवरिया परिवार को रेलवे ट्रेक के पास पुलिस को किसी युवक का शव पड़े मिलने की खबर मिली। यह खबर इस परिवार को इसलिए डराने वाली थी क्योंकि इस परिवार का अपना बेटा अंकित कल रात को दुकान से घर वापस नहीं आया था। इसलिए इस खबर से परिवार का डरना गलत नहीं था। लेकिन अंकित न गलत सोहबत में था और न गलत कामों में इसलिए परिवार के लोगों ने इस तरफ ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब शव की पहचान के लिए सोशल मीडिया पर पुलिस द्वारा डाली गई लाश की फोटो परिजनों ने देखी तो परिवार में उठे विलाप के शोर से पूरा मोहल्ला अंकित के घर के बाहर जमा हो गया।

परिजनों द्वारा शव की पहचान अंकित के रूप में कर दिए जाने के बाद पुलिस ने उसे पीएम के लिए भेज दिया। जिस जगह अंकित का शव मिला था वहां से पुलिस ने एक डंडा, नकली रिवाल्वर और गुप्ती बरामद करते हुए आशंका जाहिर की कि अंकित की हत्या में कम से कम चार लोग शामिल रहे होंगे। उसकी मोटर साइकल और मोबाइल लापता था जिसके बारे में शक था कि यह दोनों चीजें आरोपी अपने साथ ले गए होंगे।

आरोपी का माइंड वॉश किया गया?

आरोपी आशीष।

चर्चा है कि व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा के चलते अंकित के कई दुश्मन पैदा हो गए थे। उन्हीं में से किसी ने आशीष को मोहरा बनाकर अंकित को रास्ते से हटवाया है। ऐसे लोगों ने आशीष के मन में यह बात बैठा दी कि अंकित उसकी प्रेमिका के संग ऐश कर रहा है। दुर्भाग्य से आशीष ने यह बात सच मान कर अपने दोस्त की हत्या कर दी। मृतक के पिता ने भी कुछ लोगों के खिलाफ शक जाहिर किया था लेकिन पुलिस का कहना है कि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका अब तक इस मामले में सामने नहीं आई है।

फोटोग्राफी के हुनर में शहर भर में चर्चित रहे अंकित की हत्या किसी के गले नहीं उतर रही थी क्योंकि अंकित अपने काम से काम रखने वाला युवक था। एक जनवरी को ही अंकित की बहन ने एक बैंक में नई नौकरी ज्वाइन की थी। अंकित ही उसे बैंक छोड़ने और फिर शाम को वापस लेने गया था। नई तकनीक के कैमरे खरीदने के लिए वह उसी रोज दिल्ली जाने वाला था जिससे उसके पास लगभग 50 हजार की रकम नगद और लगभग ढेड लाख एकाउंट में थे।

इधर अंकित का कुछ समय पूर्व व्यवसायिक रंजिश को लेकर विवाद हुआ था जिसमें आगे समझौता हो गया था। मगर परिजनों को शक था कि इस मामले के पीछे पुराना विवाद कारण हो सकता है। अंकित के अंतिम संस्कार में जहां शहर के लगभग सभी फोटोग्राफर शामिल हुए थे वहीं एक नाम ऐसा था जिसका अंतिम यात्रा में शामिल न होना लोगों को चौंका रहा था। यह नाम था आशीष सोनी का। आशीष, अंकित का दोस्त ही नहीं बल्कि उसका सहायक भी था। आशीष, अंकित के साथ काम करते हुए फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहा था।

इधर एसपी अशोकनगर ने एएसपी के निर्देशन और देहात थाना टीआई के नेतृत्व में एक टीम इस मामले की तह तक जाने के लिए गठित कर दी। टीम ने सबसे पहले घटनास्थल की तरफ जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए जिसमें एक जनवरी की रात अंकित, आशीष सोनी के साथ अपनी बाइक पर घटनास्थल की तरफ जाता दिखाई दिया। आशीष सोनी दोस्त होने के बावजूद अंकित के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हुआ था इसलिए पुलिस ने शक के आधार र आशीष को उठाकर उससे पूछताछ की। जिसमें पहले तो आशीष पुलिस को चकमा देने की कोशिश करता रहा लेकिन जब उससे सख्ती की गई तो उसने अंकित की हत्या का अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि अंकित ने उसकी प्रेमिका मोना (बदला नाम)को उससे छीन लिया था इसी गुस्से के चलते उसने अंकित की हत्या कर दी। जिसके बाद पुलिस आशीष की निशानदेही पर गुना के पीजी कॉलेज में खड़ी अंकित की मोटर साइकल और आशीष के एक दोस्त के पास से अंकित का मोबाइल बरामद करने के बाद एक प्रेस कांफ्रेस में एएसपी महोदय ने इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया।

लेकिन पुलिस के खुलासे के साथ ही शहर में जनआक्रोश उबल पड़ा। दरअसल एक तरफ जहां यह बात भरोसा करने लायक नहीं थी कि अकेला आशीष अपने हम उम्र अंकित की हत्या कर सकता है। दूसरे जिस जगह लाश मिली थी वहां पुलिस को तीन ऐसे हथियार मिले थे जिनमें से नकली पिस्तौल को छोड़ दे तो दो हथियार लाठी और गुप्ती से हत्या की जा सकती थी। इसलिए सवाल था कि एक आदमी तीन हथियार लेकर क्यों जाएगा। फिर खुद पुलिस भी लाश बरामद करते समय यह शक जाहिर कर चुकी थी कि हत्या में तीन से चार लोग शामिल हो सकते हैं। तो क्या पुलिस किसी को बचा रही है? यह सवाल लोगों के मन में उठ खड़ा हुआ तो कई सामाजिक संगठनों ने प्रदर्शन करते हुए पुलिस को ज्ञापन सौंप कर मामले की जांच गंभीरता से करते हुए असली आरोपियों को पकड़ने की मांग की। इसी बीच पता चला कि एक जनवरी की रात में अंकित की हत्या कर देने के बाद दो जनवरी के रोज मौके से गायब उसके मोबाइल फोन से तीन खातों में ऑन लाइन पैसा ट्रांसफर किया गया था।

क्या यह संभव है कि आरोपी आशीष सोनी अकेला अपने हमउम्र अंकित पर इतने बार करे कि उसकी मौत हो जाए। परंतु जबाब में तो क्या आत्मरक्षा के लिए भी अंकित जबावी हमला या बचकर भागने की भी कोशिश न करे?

जांच के लिए आरोपी को घटनास्थल पर लेकर गई पुलिस।

एक की मौत हुई दूसरे को खरोंच भी नहीं आई

मृतक अंकित

अंकित की हत्या में कम से कम तीन से लेकर चार लोग शामिल हैं, ऐसा मानने वालों का कहना है कि ऐसे कैसे हो सकता है कि अकेला आशीष, अंकित को पीट रहा हो और वह विरोध न करे या बचकर भागने की कोशिश भी न करे। आशीष को खरोच भी नहीं आई इसलिए यह असंभव है कि अंकित इस स्थिति में अपने बचाव के लिए जबावी हमला भी न करे। क्योंकि जब आदमी को अपनी मौत सामने दिखती है तो कितना भी कमजोर क्यों न हो एक बार तो बचने के लिए संघर्ष करता है।

सवाल शेष, कितने आदमी थे?

अंकित नरवरिया हत्याकांड में पुलिस आशीष सोनी को आरोपी के तौर पर गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। लेकिन हत्या आशीष ने की या उसे मोहरा बनाया गया है यह बात आम चर्चा में है। इसलिए अगर लोगों का शक सच है तो, कितने आदमी थे, इस सवाल का जबाव शायद ही अब कभी सामने आ सके।

अंकित की हत्या हो चुकी थी तो पैसा ट्रांसफर किसने किया। जबकि आशीष के जिस दोस्त के पास अंकित का मोबाइल पुलिस ने बरामद किया था उसे पुलिस सरकारी गवाह बना चुकी थी। मगर जिन खातों में पैसा भेजा गया था उन लोगों से पूछताछ नहीं की गई। शेष पृष्ठ 7 पर...

...पृष्ठ 1 से जारी

भोपाल में हिंदु युवतियों के संगठित गिरोह द्वारा यौन शोषण चर्चित मामला

demo pic.

शिकार हिंदू युवतियों को जबरन गोश्त खिलाया, नशे के लिए गांजा पिलाया जाता था। इसके बाद भी अगर युवती राजी नहीं होती तो उसकी गर्दन पर छुरा रख दिया जाता था।

पीड़ित युवक की प्रेमिका से शुरु हुआ हिंदू युवतियों के यौन शोषण का मामला सैकड़ों कॉलेज गर्ल को शिकार बनाने के बाद उस समय सामने आया जब डिजिटल तकनीक उपलब्ध न होने के चलते गिरोह के मेंबर्स द्वारा पीड़ित लड़कियों की खींची गईं अश्लील फोटो की रील को एक स्टूडियो में डेल्प करवाया। स्टूडियो से यह फोटो वायरल हो जाने के बाद पूरे देश में तहलका मच गया था। इस मामले में अदालत का फैसला चालीस साल बाद चंद माह पहले तब आया जब कई आरोपियों का इंतकाल हो चुका है और कई पीड़ित युवतियां सुसाइड कर चुकी है।

मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। अभी तब 5 पीड़ित बच्चियां सामने आई हैं। आरोपियों के मोबाइल में मिले वीडियो के आधार पर पीड़ितों की पहचान कर उनकी काउंसलिंग की जा रही है। यह संगठित गिरोह का अपराध है जिसमें पुलिस पूरी गंभीरता से तथ्य जुटा रही है।

हरिनारायणचारी मिश्र
पुलिस कमिशनर

ऐसा दूसरा मामला हाल ही में चंद माह पहले राजस्थान के व्यावर जिले में सामने आया जहां दर्जन भर मुस्लिम मजदूर युवकों का संगठित गिरोह दर्जनों स्कूल गर्ल का शोषण कर रहा था। गिरोह द्वारा लड़कियों को शिकार बनाने का तरीका पहली घटना की तरह था। पहले एक का शिकार किया फिर उसे बदनामी का डर दिखाकर दूसरी युवती को साथ लाने का दबाव बनाया फिर इसी तरह चौथी... पांचवी और ....।

केरल में हिंदु युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन करवाने की साजिश कई दशकों से चल रही है। जिसमें मुस्लिम युवतियां पूरी योजना बनाकर अपने भाई या अन्य मुस्लिम युवकों की दोस्ती जानबूझ कर अपनी हिंदु सहेलियों से करवाने के बाद उन्हें मुस्लिम युवक से प्रेम करने और फिर धर्म बदलकर शादी करने के लिए प्रेरित करती रहीं हैं। इस दृष्टि से भोपाल की घटना राजस्थान के व्यावर जिले और केरल में अपनाए जा रहे लव-जेहाद के तरीकों से काफी मेल खाती है जो इस प्रकार है-

तीन लड़कियों के साथ एक साथ

आरोपी सरगना फरहान

गिरोह का सरगना फरहान तीन मामलों में आरोपी है। वह गिरोह के दूसरे सदस्यों द्वारा बहलाकर लाई गई लड़कियों साथ भी बलात्कार करता था। उसके मोबाइल में पुलिस को दो दर्जन से अधिक वीडियो मिले हैं। एक वीडियो में वह एक साथ तीन युवतियों के संग मारपीट करते हुए बलात्कार कर रहा है। जबकि एक वीडियो में वह पीड़ित के साथ बलात्कार करते हुए उसे सिगरेट से दाग रहा है।

गिरोह का सरगना फरहान निजी कालेज से बीबीए की डिग्री करने के दौरान ही कई हिंदू युवतियों से दोस्ती कर चुका था। बीबीए करने के बाद उसने पुरानी कारों को खरीदने बेचने का काम शुरू करने के अलावा एमबीए करने के लिए कॉलेज में एडमीशन ले लिया। लेकिन अब उसका मकसद पढ़ना नहीं बल्कि दूसरे धर्म की खासकर ऐसी हिंदु युवतियों को प्रेम का पाठ पढ़ाकर उनका शोषण करने के बाद ब्लैकमेल करते हुए अपने धर्म में लाना था जो बाहर के शहरों से भोपाल में पढ़ने के लिए आती हैं।

चूंकि अब फरहान का मकसद पढ़ना नहीं बल्कि लव-जेहाद फैलाना था इसलिए 2023 के शुरु में उसने अपनी दो हिंदू महिला मित्रों की मदद से कॉलेज में इंजीनियरिंग की डिग्री लेने आई एक नाबालिग किशोरी से परिचय किया। यह किशोरी भोपाल की रहने वाली है जिसने एक निजी स्कूल ने 12 वीं की परीक्षा पास करने के बाद इस निजी कॉलेज में एडमीशन लिया था। किशोरी से परिचय होने के बाद फरहान उसे लगभग रोज कॉलेज में मिलकर अपनी दोस्ती को आगे बढ़ाने लगा। धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ने लगी जिसे और बढ़ाने के लिए उसने कभी किशोरी द्वारा लगाई माथे की बिंदी की तारीफ करता तो कभी हाथ में बंधे पूजा के धागे की। किशोरी का भरोसा जीतने के लिए फरहान ने एक रोज उससे कहा मुझे इस्लाम में जन्म लेने का फक्र है लेकिन काश मैं भी तुम्हारी तरह हिंदू होता तो कितना अच्छा होता।

आरोपी मो. साद

उससे क्या है तुम मुस्लिम हो तो इससे क्या फर्क पड़ता है।

फर्क पड़ता है, देखो मैं तुम्हें बेहद पसंद करता हूं। शादी भी करना चाहता हूं लेकिन मेरे मुस्लिम होने के कारण तुम तो शायद मेरे साथ बाइक पर घूमने भी चलना पसंद न करो?

शादी की बात तो मेरे परिवार वाले तय करेंगे। इश्क मोहब्बत में मेरा भरोसा भी नहीं, कोई हिंदू लड़का भी मुझे ऑफर करे तो उसका भी प्यार स्वीकार न करूं। लेकिन तुमसे यह किसने कह दिया कि मुझे तुम्हारे साथ बाइक पर बैठने में ऐतराज है?

ऐसा है तो चलो तुम्हें घुमाकर लाता हूं। फरहान ने तुरंत मौके का फायदा उठाते हुए कहा तो न समझ किशोरी उसके जाल में फंस गई। दरअसल उस समय किशोरी की आयु केवल 16 साल थी सो इस उम्र में समझ होती ही कितनी है। इसलिए वह फरहान के साथ बाइक पर बैठ गई। फरहान पक्का खिलाड़ी था इसलिए दो तीन बार उसने किशोरी को बाइक पर घुमाने के बाद शरीफ दोस्त की तरह उसके घर पर छोड़ दिया।

लेकिन शिकारी को शिकार के लिए सही समय का इंतजार था। अप्रैल 23 में फरहान किशोरी को बाइक पर घुमाते हुए अशोकागार्डन इलाके में ले जाने का बाद बोला, यार यहां तक आईं हो तो मेरे गरीब खाने पर अपने मुबारक कदम रखकर उसे जन्नत होने का मौका दे दो।

किशोरी फरहान की साजिश को नहीं समझ सकी इसलिए फरहान की बात मानकर वह उसके कमरे पर चली गई। लेकिन कमरे में दाखिल होते ही फरहान अपने असली रूप में आ गया। उसने बिना किसी औपचारिकता के किशोरी के बदन से उसके कपड़े हटाना शुरु कर दिया। किशोरी ने विरोध किया तो फरहान सीधे मारपीट पर उतर आया। 16 साल की किशोरी फरहान की मार से बेदम हो गई तो फरहान ने उसके कपड़े उतारने के बाद खुद के कपड़े उतार फेंके और किशोरी के लाख मना करने, हाथ पैर जोड़ने के बावजूद उसके संग बलात शारीरिक रिश्ता बनाते हुए उसका वीडियो भी बना लिया।

घटना से आहत किशोरी ने फरहान से दूरी बनाने की कोशिश की मगर फरहान हाथ आई हिंदू युवती को इतनी आसानी से नहीं छोड़ना चाहता था। इसलिए उसका अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार यौन शोषण करने लगा। इतना ही नहीं एक बार तो वह मौका देखकर किशोरी के घर में घुस गया जहां उसने न केवल किशोरी का दैहिक शोषण किया बल्कि उसके मोबाइल से किशोरी के कुछ प्राइवेट फोटो भी ले गया। किशोरी मजबूर थी उसकी शिकायत किसी से कर भी नहीं सकती थी क्योंकि ऐसा करने पर फरहान ने उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी जो दी थी। किशोरी ने बताया कि इसी बीच फरहान ने अपने एक दोस्त अली की दोस्ती कॉलेज की किसी हिंदू लड़की से करवाने को कहा मैंने मना किया मैं किसी लड़की की जिंदगी खराब नहीं करुंगी तो उससे मेरे साथ मारपीट की। इस पर मैंने एक सहेली से अली का परिचय करवाया जिसके बाद मुझे पता चला कि अली उस लड़की को अशोकागार्डन की होटल में ले गया था जहां उसके साथ बलात्कार किया गया और उसका भी वीडियो बनाया गया।

जोया भाभी उपलब्ध करवाती थी बलात्कार के लिए जगह

जांच में सामने आया है कि आरोपियों की जोया भाभी उनके लिए बलात्कार का मौका देने अपने घर में जगह उपलब्ध करवाती थी। इस काम में उसका पति फैजान भी मदद करता था।

आरोपी जोया।

यह सब देखकर किशोरी फरहान से तंग आ गई तो इस दुराचारी से पीछा छुड़ाने के लिए उसने भोपाल छोड़ दिया और इंदौर के एक कॉलेज में एडमीशन लेकर आगे की पढ़ाई के लिए इंदौर चली गई। लेकिन फरहान इतनी आसानी से उसका पीछा नहीं छोड़ना चाहता था। इसलिए उसे फोन कर बार-बार फरहान के साथ सेक्स मीटिंग के लिए भोपाल आने का दबाव बनाने लगा और उसकी बात न मानने पर इंदौर के कॉलेज में उसका वीडियो वायरल कर देने की धमकी देने लगा। लेकिन इस पर भी बात नहीं बनी तो फरहान इसी साल 8 अप्रैल को इंदौर पहुंच गया। इंदौर पहुंचकर उसने पीड़ित किशोरी को फोन कर उससे अब तब की गई अपनी गलतियों के माफी मांगने के लिए एक बार मिलने की बात कही।

आरोपी मो. शाजी

कहते है दूध का जला छाछ भी फूंक कर पीता है लेकिन किशोरी ने गलती करते हुए उसे अपना ठिकाना बता दिया। लेकिन घाघ फरहान दिन में किशोरी के बताए पते पर न जाकर रात दस बजे पहुंचा। उसने किशोरी को फोन कर अपने आने की बात कही तो किशोरी ने उससे दिन में आने का बोल दिया। इस पर फरहान ने न केवल उसे पच्चीसों बार फोन कर दरवाजा खोलने को कहा बल्कि वहां खड़े होकर हंगामा करने लगा। संयोग से उस वक्त जब फरहान इंदौर में किशोरी के घर का दरवाजा पीटते हुए हंगामा कर रहा था उस वक्त किशोरी अपने एक दोस्त से बात कर रही थी।

मोहल्ले में हंगामा न हो इस डर से किशोरी ने दरवाजा खोल दिया तो अंदर आते ही फरहान उसके साथ मारपीट करते हुए बलात्कार करने लगा। संयोग से किशोरी ने उस समय अपने दोस्त का फोन नहीं काटा था इसलिए फरहान और किशोरी के बीच हो रहे विवाद की आवाज किशोरी के दोस्त ने फोन पर सुन ली। इधर किशोरी के स ग

आरोपियों के परिवार भी जांच के घेरे में

पुलिस के अनुसार मामले में पुलिस आरोपियों के परिवार खासकर फरहान की बहन और अली के माता-पिता तथा भाई की भूमिका की जांच कर रही है। पीड़ित युवती के अनुसार फरहान की बहन को पूरे मामले की जानकारी होने के बाद भी वह फरहान का पक्ष लेती थी। जबकि एक युवती के साथ अली ने अपने घर में चुबह चार बजे उस समय बलात्कार किया था जब उसके परिवार के बाकी सदस्य घर में मौजूद थे।

बलात्कार करने के बाद फरहान उसे धमकी देते हुए चला गया कि वो जल्द से जल्द अपना धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार कर ले। जिसके बाद वह उससे निकाह कर लेगा। लेकिन किशोरी जानती थी कि ऐसे आदमी का क्या भरोसा जो दूसरे धर्म का ही सम्मान नहीं कर सकता वो दूसरे धर्म के आदमी का क्या सम्मान करेगा। करने के योग्य होता तो इस तरह का राक्षसी कर्म की क्यों करता।

किशोरी के संग इंदौर में बलात्कार कर और बुलाने पर मिलने के लिए भोपाल आने की धमकी देकर फरहान विजयी भाव से भोपाल लौट आया लेकिन उसे नहीं मालूम था कि वह अपने पाप के तावूत में आखिरी कील ठोकर आया है। दरअसल हुआ यह कि फरहान के कमरे में आने के बाद उसने किशोरी के संग जो कुछ किया और उसे जो भी धमकियां दी उसकी आवाज फोन से होकर किशोरी के दोस्त के कानों तक पहुंच गई। जिससे अगले दिन उसने किशोरी से मिलकर उससे पूरी बात सुनकर उसे यह बात अपने माता-पिता को बताने की सलाह दी। जिस पर शुरु में तो वह शर्म और डर के कारण राजी नहीं हुई लेकिन जब दोस्त ने भरोसा दिलाया कि तुम्हारे साथ जो कुछ हुआ उसमें तुम्हारी गलती नहीं है लेकिन तुम्हारी यह गलती जरूर है कि तुमने यह बात अब तक अपने घर वालों को नहीं बताई। बता देती तो तुम्हें फरहान का यह पाप अब तक सहन न करना पड़ता।

आरोपियों को जुलूस की शक्ल अदालत ले जाती पुलिस, रास्ते में लगवाई कान पकड़कर उठक-बैठक।

दोस्त की बात किशोरी को समझ में आ गई उसे लगा कि वास्तव में वह गलती तो अब कर रही है जो अपनी बात परिवार वालों को नहीं बता रही। इसलिए वह दोस्त की बात पर राजी हो गई तो किशोरी का दोस्त और किशोरी के बुआ का बेटा उसे लेकर भोपाल आए तथा किशोरी के परिवार को पूरी बात बताई जिस पर किशोरी के माता-पिता, दोस्त, भाई, बहन और कुछ रिश्तेदारों ने बागसिवनिया थाने पहुंचकर आरोपी इरफान की पूरी करतूत बखान कर दी। उसने पुलिस को यह भी बताया कि फरहान की बहन को इस बात की जानकारी थी कि फरहान मेरा बलात्कार कर रहा है लेकिन वह मेरे सामने हमेशा अपने भाई का पक्ष लेती थी अपने भाई और अपने धर्म की तारीफ करती थी। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी इरफान के खिलाफ बलात्कार, पॉक्सो एक्ट एवं धर्म परिवर्तन के लिए पीड़ित करने की धाराओं के तरह मामला दर्ज कर इरफान को उसके घर से उठा लिया।

इरफान को उठाने के बाद जब पुलिस ने उसके मोबाइल की जांच की तो पता चला कि उसके मोबाइल में पीड़ित किशोरी के अलावा कम कम पच्चीसों दूसरी युवतियों के साथ मारपीट करते हुए बलात्कार करने के वीडियो मिले। इनसे यह भी साफ हो गया कि इरफान भोपाल में चल रहे लव जिहाद के किसी ऐसे संगठित गिरोह का सदस्य है जो चुन-चुन कर हिंदु युवतियों को अपना निशाना बनाकर उनका यौन शोषण कर रहे है। क्योंकि उसके मोबाइल में कई दूसरे युवकों के भी अश्लील वीडियो थे।

इसलिए जब यह बात पुलिस कमिशनर हरिनारायणचारी मिश्र तक पहुंची तो उन्होंने पूरे मामले में गोपनीयता बरतने के निर्देश देते हुए मिसरोद, जहांगीराबाद और हबीबगंज एसीपी की एक एसआईटी गठित कर दी। पुलिस कमिशनर के निर्देश को ध्यान में रखते हुए एसआईटी ने फरहान के मोबाइल में मिले अश्लील वीडियो में दिखाई देने वाली युवतियों की पहचान कर उनकी काउंसलिंग की गई जिससे फरहान के लव जिहाद गिरोह की पीड़ित की दो सगी बहनें सामने आई जिनके साथ फरहान और उनके साथियों ने न केवल बलात्कार किया था बल्कि दबाव डालकर इन्हें मांस खिलाया, नशा करवाया तथा बुर्का पहनने और नमाज पढ़ने का दबाव बनाया।

पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाने आई बड़ी बहन ने बताया कि वह प्रदेश के दक्षिणी जिले की रहने वाली है और यहां भोपाल के उसी निजी कॉलेज से बीटेक थर्ड ईयर तक की पढ़ाई की है जिसमें आरोपी फरहान की शिकार किशोरी पढ़ती थी।

युवती ने बताया कि दो हिंदू सहेलियों ने उसकी

साहिल की प्रेमिका भेजती थी लड़कियां

पन्ना निवासी साहिल डांस क्लास चलाता है जिसमें केवल हिंदू लड़कियों को ही ट्रेनिंग दी जाती थी। डांस सिखाने के दौरान साहिल लड़कियों के साथ शारीरिक नजदीकी बनाते बनाते उन्हें बलात्कार का शिकार बनाकर उनका वीडियो बनाकर गिरोह के दूसरे सदस्यों में वायरल कर देता था जिसके बाद दूसरे सदस्य भी उस वीडियो का वायरल करने की धमकी देकर युवतियों का शोषण करते थे। जांच में यह बात भी सामने आई है कि साहिल की गर्लफ्रेंड ब्यूटीपार्लर चलाती है इस दौरान वह पार्लर में आने वाली सुंदर लड़कियों को बताती थी कि चेहरे के साथ फिगर भी सुंदर होना चाहिए। वह सलाह देती थी डांस करने से फिगर सेक्सी बनता है। जो लड़कियां इसमें रुचि दिखाती वह उन्हें साहिल से डांस सीखने भेज देती थी जहां साहिल उसका शिकार कर गिरोह को सौंप देता था।

demo pic.

मुलाकात अप्रैल 22 में फरहान से करवाई थी। जल्द ही फरहान और उसके दूसरे दोस्तों से मेरा परिचय हो गया था। जिसके चलते अप्रैल 22 में एक रोज दोपहर कोई 2 बजे आदर्श, अयान, अंजू, शिखा तथा फरहान मुझे लेकर जहांगीराबाद में आम वाली मस्जिद के पास रहने वाले किसी हमीद भैया के घर लेकर गए। जहां थोड़ी देर बाद मुझे कोई बात करने के बहाने से फरहान अंदर के कमरे में ले गया। वहां उसने बात तो कुछ नहीं की उल्टे मेरे सारे कपड़े उतार कर जबरन मेरे साथ बलात्कार किया और अश्लील फोटो खींचने के अलावा मेरे मोबाइल से मेरे परिवार वालों का फोन नंबर लेकर धमकी दी कि अगर मैंने इस बारे में किसी को कुछ बताया तो वह मेरे घर फोन लगाकर बता देगा कि मैं खुद सेक्स करने के लिए फरहान पर दबाव बनाती हूं। उसकी इस हरकत और धमकी से मैं डर गई लेकिन इसके बाद

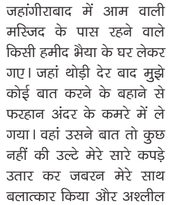

आरोपी अबरार

आरोपी शाहरुख और भव्यु

और यहां भोपाल के उसी निजी कॉलेज से बीटेक थर्ड ईयर तक की पढ़ाई की है जिसमें आरोपी फरहान की शिकार किशोरी पढ़ती थी।

युवती ने बताया कि दो हिंदू सहेलियों ने उसकी मैंने उससे बात करना बंद कर दिया तो उसने लूज केरेक्टर लड़की के तौर पर मुझे कॉलेज में बदनाम करना शुरु कर दिया।

आरोपी साहिल

इसके बाद एक रोज उसने मुझे कॉलेज में रोककर मेरे सामने मेरे परिवार वाले एक नंबर पर फोन लगाकर उसने धमकी दी कि अगर मैंने उससे बात नहीं कि तो वह मेरे घर वालों को पूरी बात बता देगा। इस पर मैंने डरकर उसकी बात मान ली जिसका फायदा उठाकर वह फिर मेरे साथ बार-बार बलात्कार करने लगा। युवती ने बताया कि आखिरी बार फरहान ने मुझे अशोका गार्डन में अबरार के कमरे पर गबुलाया और मारपीट करते हुए उसका धर्म स्वीकार करने बुर्का पहनकर रहने की धमकी देकर बलात्कार किया। इसके अलावा वह मुझे धमकी देता था कि मैं उसकी ओर उसके दोस्तों की दूसरी हिंदू लड़कियों से दोस्ती करवाऊं। वह कहता था कि हिंदू लड़की को खराब करने को हमारे यहां अच्छा काम माना जाता है।

अपनी छोटी बहन के संग बलात्कार के बारे में उसने बताया कि मेरी छोटी बहन भी भोपाल में पढ़ते हुए मेरे साथ रहती थी। इस दौरान मैंने देखा कि वह काफी उदास रहने लगी है तब एक रोज मैंने उससे उदासी का कारण पूछा तो उसने बताया कि फरहान के माध्यम से ही उसकी दोस्ती अली से हुई थी। इसके बाद एक रोज अली उसे अपने घर ले गया जहां उसने मेरे साथ जबरदस्ती बुरा काम किया। उसने यह भी बताया कि एक बार तो अली ने जब मेरे साथ बलात्कार किया तब घर में उसका भाई और मां बहन सब मौजूद थी। इतना ही नहीं अली ने मेरा अश्लील वीडियो बना लिया जो बाद में उसने फरहान को वायरल कर दिया। मैंने अली से दूर होने की कोशिश की तो वह बदनाम करने की धमकी देने लगा। इससे मैं चुपचाप उसकी बात मानती रही। एक रोज अली से उसे बात करने अशोका गार्डन में अबरार के घर बुलाया। इसके लिए मुझे इनका दोस्त मोहम्मद साद लेने आया था जब मैं वहां पहुंची तो वहां नवील, अबरार, साद और अली सब मौजूद थे कुछ समय बाद फरहान वहां आया तब बाकी सब कुछ देर में आने की बात कहकर वहां से चले गए। जिसके बाद मुझे अकेला पाकर फरहान ने मुझे जबरन गांजा पिलाया और मुझे कपड़े उतारने को कहा। मैंने मना किया तो उसने मुझे वह वीडियो दिखाया जिसमें अली मेरे साथ बुरा काम कर रहा था। उसने धमकी दी कि अगर मैंने उसकी बात नहीं मानी तो वह यह वीडियो कॉलेज में और हमारे गांव में वायरल कर देगा। छोटी बहन ने उसे बताया कि इसके बाद फरहान ने उसके साथ बुरी तरह रेप कर मेरा वीडियो बना लिया। जब मैं रोने लगी तो उसने बताया कि तेरी बड़ी बहन मेरे पीछे पड़ी रहती है लेकिन तू मेरा धर्म स्वीकार कर ले मैं तेरे साथ निकाह करुंगा।

आरोपी अली

शेष पृष्ठ 7 पर...

छतरपुर

दीवाने जीजा ने ली साली के पति की जान

घटना का खुलासा करते पुलिस अधिकारी तथा पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

शादी के बाद से ही हरिश्चन्द्र की नजर अपनी खूबसूरत साली जया की जवानी पर लग गई थी। इसलिए वह खुद तो अक्सर ससुराल आता-जाता बना ही रहता था इसके अलावा छोटे-छोटे मौकों पर जया को अपने घर बुला लेता था। लेकिन जीजा के हाथ-पैर तक जोड़ने पर भी साली ने जीजा का इश्क स्वीकार नहीं किया तो एक रोज ....

विकाश गंगेले

ललितपुर- महोबा रेल खंड में ईशानगर स्टेशन के पास रामपुर नाम की एक छोटी सी बस्ती है। रामपुर में 40 वर्षीय किसान गणेश कुशवाहा अपनी 35 वर्षीय बेहद खूबसूरत पत्नी जया (बदला नाम)के साथ रहता था।

18 जुलाई 2023 की सुबह के कोई सात बजे का वक्त था। ईशानगर थाना प्रभारी किशोर पटेल को थाने पहुंचे अभी कुछ ही देर हुई थी कि उन्हें थाना सीमा में स्थित रामपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रेक में किसी युवक का शव पड़े होने की खबर मिली। शव जिस तरह से रेलवे ट्रेक के पास पड़ा था उससे साफ था कि गणेश की मौत दुर्घटना नहीं है। बल्कि उसकी हत्या करके उसे दुर्घटना का रुप देने के लिए रेलवे ट्रेक पर लाश को फेंका गया है। मामला गंभीर था इसलिए थाना प्रभारी श्री पटेल ने मौके से इसकी जानकारी एसडीओपी बिजावर शशांक जैन और एसपी छतरपुर अगम जैन को देने के साथ मौके की बारीकी से जांच करने के बाद शव को पीएम के लिए भेज दिया।

अगम जैन, एसपी

थाना प्रभारी श्री पटेल से एसडीओपी बिजावर के नेतृत्व में मामले की जांच शुरू करते हुए मुखबिरों की मदद से गणेश के बारे में जानकारी जुटाई जिसमें इतना तो साफ हो गया कि गणेश की पत्नी बेहद सुंदर होने के अलावा उससे उम्र में काफी कम दिखाई देती है। लेकिन इसके अलावा मुखबिरों ने यह भी बताया कि तमाम प्रयासों के बाद भी गणेश की पत्नी जया के चरित्र पर अंगुली उठाने वाला गांव में एक भी व्यक्ति नहीं है जो यह कह सके की जया कमजोर औरत है। पति के साथ उसके संबंध मधुर थे और वह उसके काम में पूरा-पूरा हाथ बंटाती थी। गणेश की गांव में किसी से कोई रंजिश भी नहीं थी इसलिए जब पुलिस को जांच शुरू करने के लिए कोई ओर-छोर नहीं मिला तो उसने गणेश की पत्नी जया से बात की।

बातचीत के दौरान जया ने पुलिस को बताया कि उसे सनसिटी छतरपुर में रहने वाले अपनी बड़ी बहन के पति हरिश्चन्द्र पर शक है कि उसने ही मेरे पति का कत्ल किया है। जब उससे इस शक का कारण पूछा गया तो जया ने बताया कि जीजा हरिश्चन्द्र की जब से मेरी बड़ी बहन के साथ शादी हुई है वह तभी से मेरे साथ संबंध बनाने की फिराक में था। एक दो बार तो उसने जबरदस्ती करने की कोशिश की लेकिन मेरे विरोध के सामने उसकी एक नहीं चली। इसलिए उसने मेरे सामने कसम खाई थी कि एक न एक दिन वह मुझे अपने बिस्तर पर जरूर सुलायेगा।

जया ने यह भी बताया कि शादी के बाद वह अक्सर रिश्तेदारी की ओट लेकर मेरी ससुराल आने लगा था यहां भी उसने मुझे राजी करने की कोशिश की थी। इसलिए जब बात सिर से ऊपर होने लगी तो मैने इस बारे में अपने पति को भी सारी बात बता दी थी। जिसके बाद पति ने भी हरिश्चन्द्र को सीधा रास्ते चलने के लिए इशारा किया था। जया जिस विश्वास से अपने बहनोई पर शक जाहिर कर रही थी उससे थाना प्रभारी किशोर पटेल को भरोसा हो गया कि गणेश की हत्या में उसके साढू हरिश्चन्द्र का हाथ हो सकता है। इसलिए उन्होंने हरिश्श्चन्द्र के मोबाइल की काल डिटेल और लोकेशन निकलवाई जिसमें पता चला कि छह और सात जुलाई की दर्मियानी रात में जब गणेश का कत्ल किया गया तब हरिश्चन्द्र के मोबाइल की लोकेशन रामपुर गांव की थी।

शशांक जैन
एसडीओपी

इसका मतलब है था कि घटना की रात हरिश्चन्द्र रामपुर आया था। जबकि इस बारे में जया से पूछा गया तो उसने उस रोज हरिश्चन्द्र के गांव आने की बात से अनभिज्ञता जाहिर ही। इससे पुलिस समझ गई कि हरिश्चन्द्र जानबूझ कर जया के सामने नहीं पड़ा ताकि जया उस पर शक न करे। पुलिस का शक हरिश्चन्द्र पर गहरा जाने से पुलिस ने उसके घर पर दबिश देकर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जिसमें पहले तो वह साली होने के नाते जया को अपनी बहन-बेटी की तरह बताता रहा लेकिन जब पुलिस ने अंगुली टेढ़ी की तो उसने अपने एक साथी संतोष उर्फ संतु रजक के साथ मिलकर लाठियों से पीट-पीट कर हरिश्चन्द्र की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

जया की बड़ी बहन से शादी के दौरान ही जब हरिश्चन्द्र ने अपनी साली को देखा तो वह उसे देखते ही होश खो बैठा था। हरिश्चन्द्र के दोस्तों की मानें तो हरिश्चन्द्र ने अपनी शादी के मंडप में पत्नी के साथ भांवर लेते समय ही साली जया को हासिल करने की कसम खा ली थी। इसलिए शादी के तुरंत बाद जब हरिश्चन्द्र पहली बार ससुराल गया तो पत्नी के साथ-साथ घूमने के बहाने साली जया को भी संग ले आया है। आमतौर पर जवान साली को गांव के लोग बहन के घर इसलिए नहीं भेजते की जीजा-साली के रिश्ते की ओट में अक्सर जवान लड़कियां रास्ता भटक जाती है। लेकिन जया के परिवार वालों को हरिश्चन्द्र पर भरोसा हो न हो अपनी बेटी जया पर जरूर भरोसा था इसलिए उन्होंने दामाद का दिल रखने जया को बहन की ससुराल जाने की इजाजत दे दी।

किशोर पटेल
थाना प्रभारी

हरिश्चन्द्र को भरोसा था कि जया जवान है इसलिए उसे बरगलाना मुश्किल काम नहीं है। इसलिए अपने घर लाकर वह जया को मोटर साइकल पर बैठाकर कभी यहां घुमाने ले जाता तो कभी वहां। इस दौरान उसने जया ने द्विअर्थी बातें करना शुरु कर दिया लेकिन जया ने उसमें ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। कुछ दिनों बाद जया वापस घर चली गई तो हरिश्चन्द्र निराश हो गया लेकिन उसे भरोसा था कि वह एक न एक दिन जया को हासिल कर लेगा।

इसी बीच होली का त्यौहार आ गया। गांव में ऐसा रिवाज है कि दुल्हन की पहली होली मायके में होती है। इसलिए हरिश्चन्द्र की पत्नी भी अपने मायके चली गई थी। इस मौके का फायदा उठाकर हरिश्चन्द्र होली के रोज ससुराल पहुंच गया जहां उसे जया को रंग लगाने के बहाने उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ कर दी।

इस घटना के बाद जया अपने जीजा से दूरी बनाकर रहने लगी। मगर हरिश्चन्द्र तो मानो साली के लिए पागल था इसलिए एक रोज उसने ससुराल में ही मौका मिलने पर जया को खेत में दबोच लिया। जया ने विरोध किया तो हरिश्चन्द्र उसके हाथ पैर जोड़ने लगा कि वो उसे बहुत प्यार करता है इसलिए जया उसे एक बार प्यार करने दे। लेकिन जया उसे धक्का देकर भागकर घर आ गई। इस पर गुस्से में हरिश्चन्द्र शाम को मौका देखकर जया के सामने कसम खाई की वो एक न एक दिन जया को अपने साथ सुला कर मानेगा।

जया बहन का घर न टूटे इसलिए चुप थी। तो हरिश्चन्द्र उसकी चुप्पी का दूसरा ही मतलब निकाल रहा था। इसलिए जया की शादी के बाद भी उसने जया का पीछा नहीं छोड़ा और वह रिश्तेदारी के बहाने जया से मिलने रामपुर आने लगा। यहां भी उसने जया से यह तक कहा कि वो उसे अपने साथ रखना चाहता है लेकिन जया ने न केवल उसकी बात ठुकरा दी बल्कि जीजा के बुरे इरादों की जानकारी पति को भी दे दी। इस बात की जानकारी हरिश्चन्द्र को लगी तो वह समझ गया कि अब गणेश के रहते उसका जया से संबंध बना पाना मुश्किल है। इसलिए उसने गणेश को रास्ते से हटाने की ठान कर अपने दोस्त संतु को राजी करने के बाद छह जुलाई को रामपुर जाकर शराब पीने के बहाने उसने गणेश को रेलवे लाइन पर बुलाया और जब देखा की गणेश को नशा हो गया है तो दोनों ने लाठियों से पीटकर उसकी हत्या कर शव पटरियों के किनारे डाल दिया ताकि लोग समझ कि गणेश की मौत गाड़ी के नीचे आने से हुई है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

साली के बयानों ने आया शक के घेरे में

मृतक की हत्या की बात साफ होते ही जब पुलिस ने मृतक की पत्नी से पूछताछ की तो उसने अपने जीजा हरिश्चन्द्र पर शक जाहिर किया था। उसका कहना था कि मेरा जीजा कई सालों से मेरे पीछे पड़ा है वह मुझे अपनी रखैल बनाकर रखना चाहता है इसलिए उसी ने मेरे पति की हत्या की है। इस आधार पर पुलिस ने हरिश्चन्द्र को घेरा तो पूरा मामला सामने आ गया।

कई बार कर चुका था कोशिश

आरोपी हरिश्चन्द्र अपनी शादी के बाद ही ही साली जया के साथ संबंध बनाने की कोशिश में था। इसके लिए वह जया को अक्सर घूमने के बहाने अपने घर भी बुलाता था। जया ने बयानों में बताया कि उसका जीजा कई बार उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश कर चुका था।

...पृष्ठ 5 का शेष

इस पर मैंने अपना धर्म बदलने मना किया तो उसने हमारे देवी-देवताओं को गंदी बातें कहते हुए मेरे साथ मारपीट की।

जाहिर है कि अब तक इस मामले में गठित एसआईटी समझ गई थी कि यह मामला बेहद गंभीर है जिसमें आरोपियों ने एक संगठित गिरोह की तर्ज पर हिंदू लड़कियों के साथ बलात्कार कर उनका यौन शोषण किया है। जांच में सामने आया कि इस गिरोह का तीसरा मुख्य किरदार साहिल का है जो मूल रूप से पन्ना कर रहने वाला है। साहिल यहां पढ़ने आया था लेकिन उसने जल्द ही पढ़ाई छोड़कर डिलाइट डांस क्लासेस खोल ली। साहिल अपनी डांस क्लास में केवल हिंदू लड़कियों को एडमीशन देता था। इसके बाद डांस सिखाने के बहाने वह उनके नाजुक अंगों के साथ छेड़छाड़ करते हुए पहले उसके खून में उत्तेजना घोलता फिर धीरे से उसे बलात्कार का शिकार बनाकर वीडियो बना लेता था। साहिल भी फरहान के गिरोह से जुड़ा था जिनके साथ यह अपनी शिकार की गई लड़कियों के अश्लील वीडियो भेजता था। साहिल की अपनी गर्लफ्रेंड भी हिंदू लड़कियों को फंसाने में उसकी मदद करती थी।

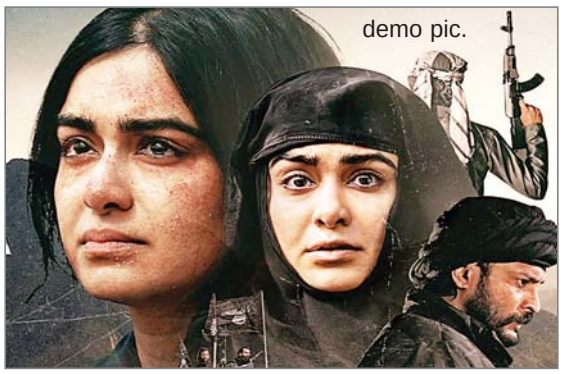

मामला लगातार आगे बढ़ने साथ पीड़ित युवतियों और किशोरियों की संख्या बढ़ती जा रही थी। जिसके चलते इसी दौरान बैरागढ़ की रहने वाली एक नाबालिग किशोरी ने टीटीनगर थाने में शाहरूख, फैजान, फैजान की बेगम जोया और जावेद उर्फ भय्यू के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवाया। नाबालिग ने बताया कि उसकी जान पहचान भय्यू से थी। एक रोज भय्यू उसे अपनी रिश्तेदार से जोया से मिलवाने के लिए झरनेश्वर मंदिर के पास उसके घर लेकर आया जहां जोया का पति फैजान भी मौजूद था। नाबालिग पुलिस को बताया कि वह फरवरी महीने की 13 तारीख थी जब इस पहली मुलाकात के दौरान कुछ देर बाद जोया ने फोन कर शाहरूख नाम के एक युवक को वहां बुलाकर उसके साथ मेरा परिचय करवाया। जिसके बाद शाहरूख ने मेरा नंबर ले लिया और शाम को ही मुझे फोन करके मुझसे प्यार हो जाने और निकाह करने की बात कही। जब मैने मना किया तो उसने अपनी जान देने की धमकी दी और जोया के घर आकर मिलने को कहा। लेकिन मैं मना करती रही पर जब उसने केवल एक बार मिलने को कहा तो भय्यू तीसरे दिन ही 16 फरवरी को मुझे जोया के घर ले गया जहां शाहरूख पहले से मौजूद था। वहां फैजान, जोया और भय्यू ने मुझे जबरन शाहरूख के साथ एक कमरे में भेज दिया जहां उसने मेरे साथ बलात्कार किया और वीडियो बना लिया। बाहर आकर मैंने यह बात जोया और उसके पति को बताई तो दोनों बोले अरे इससे क्या डरना यह तो हर लड़का-लड़की करते हैं शाहरूख की बात मानेगी तो ऐश करेगी। भय्यू ने भी मुझे चुपचाप शाहरूख का साथ देने की धमकी दी। इतना ही नहीं नाबालिग ने पुलिस को बताया कि 13 फरवरी को उसकी पहली मुलाकात शाहरूख से हुई 16 फरवरी को उसने पहली बार मेरे साथ रेप किया इसके बाद महज 24 दिन में 11 मार्च तक न केवल उसने मेरे साथ 5 बार बलात्कार किया बल्कि इस दौरान मुझ पर दबाव बनाया कि अपनी किसी सहेली की दोस्ती उसके दोस्त अयान से करवा दूं। जब मैंने एक सहेली की अयान से दोस्ती करवा दी तो ने उसे अरबाज के पास भेज दिया जहां उसके साथ रेप करते हुए वीडियो बनाया गया।

इस मामले में जांच कर रही एसआईटी के अनुसार अब तक पुलिस ने चार आरोपी फरहान, मोहम्मद साद, साहिल और अली को गिरफ्तार करने के अलावा पूरे मामले में फरहान,साहिल, मोहम्मद साद, अरबाज, अयान, शाहरूख, जावेद उर्फ भय्यू, जोया तथा फैजान का आरोपी बनाया है। इनमें से दो आरोपी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम रवाना कर दी गई है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 2 का शेष

कि सुरेश उस दिन दोपहर में उस औरत के पड़ोस में रहने वाली एक महिला के घर गया था। इसलिए मैं गुस्से में थी। इस शराब पीकर आने के बाद सुरेश मुझे बिस्तर पर खींचने लगा। उस समय बेटी जाग रही थी इसलिए मैंने उसे मना किया तो उसने बेटी के पेट पर एक लात मार दी जिससे वह रोते हुए नानी के घर चली गई।

बेटी के जाने के बाद सुरेश मेरे संग बिस्तर में घुस गया। मैं जानती थी कि वह मानेगा नहीं इसलिए पूरी योजना बनाकर मैंने उसका साथ देना शुरू कर दिया। जिसके चलते उस रात मैंने उसके साथ प्यार का नाटक करते हुए बुरी तरह थका दिया जिससे अपना काम होते ही वह खर्राटे लेकर सो गया तो मैंने मौका देखकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। दरवाजा न खोलने की बात पर उसने बताया कि सुरेश के गले पर आया काला निशान देखकर वह डर गई थी। उसे लगता था कि देर होने पर गले का निशान मिट जाएगा इसलिए वह दरवाजा न खोलते हुए रोने का नाटक कर रही थी।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 3 का शेष

अपितु लोगों के बढ़ते दबाव को देखते हुए पुलिस ने आशीष को घटनास्थल पर ले जाकर घटना का रिक्रिएशन करवाया मगर लोगों ने इस पुलिस की केवल खानापूर्ति माना क्योंकि खुद मृतक के पिता का कहना था कि पुलिस प्रेस कांफ्रेस से पहले जांच से जुड़े कई लोगों ने उन्हें मेरे बेटे की हत्या की अलग-अलग कहानी बताई थी लेकिन प्रेस कांफ्रेस में अधिकारी ने जो कहानी बताई वह सही नहीं है न ही पूर्व में मुझे बताई गई कहानियों से मेल खाती है।

बहरहाल सभी आपत्तियों को नजर अंदाज करते हुए पुलिस का कहना है कि अंकित की हत्या केवल आशीष सोनी ने की है जिसे जेल भेज दिया गया है जबकि दूसरी 'कितने आदमी थे' यह सवाल लोगों के मन में आज भी शेष है जिसका जवाब इस कहानी में छुपा लगता है।

प्रेमिका ने भी माना कि उसका कोई चक्कर नहीं था

आरोपी आशीष का कहना है कि मृतक अंकित ने दोस्ती को फायदा उठाकर उसकी प्रेमिका मोना पर कब्जा कर लिया था। पुलिस ने इस संबंध में मोना से भी पूछताछ की जिसमें उसने बताया कि अंकित से उसकी बातचीत केवल उसके आशीष का दोस्त होने के नाते होती थी। न कभी अंकित ने कोशिश की और न ही उसके अंकित से कोई गलत रिश्ते थे, प्रेम संबंध भी नहीं।

अपने हुनर के कारण फोटोग्राफी के क्षेत्र में अंकित नरवरिया का नाम लगातार लोगों की जुबान पर चढ़ता जा रहा था। इसलिए धीरे-धीरे उसका काम इतना बढ़ गया कि कुछ लोग उससे व्यवसायिक रंजिश रखने लगे थे। बताते हैं कि इसी रंजिश के चलते दो साल पहले उसका एक व्यक्ति से विवाद भी हुआ था। अपितु लंबे समय के बाद दोनों में समझौता हो गया था मगर कुछ लोगों का मानना है कि समझौते के बाद भी रंजिश खत्म नहीं हुई थी।

इसी बीच आशीष सोनी के बड़े भाई के कहने पर अंकित ने आशीष को फोटोग्राफी का काम सिखाने के लिए अपने सहायक के रूप में काम पर रख लिया। चूंकि आशीष और अंकित लगभग हमउम्र थे इसलिए दोनों में जल्द ही दोस्तों के जैसे संबंध हो गए। जिसके चलते आशीष ने एक रोज अपनी प्रेमिका मोना से अंकित का परिचय करवा दिया। ऐसे में जैसा होता है वही हुआ समय के साथ आशीष के माध्यम से अंकित से मोना की बार-बार मुलाकात होने से अंकित और मोना के बीच भी दोस्ती हो गई। जिसके चलते दोनों में न केवल फोन पर बातचीत होने लगी बल्कि सोशल मीडिया पर उनके बीच चैटिंग भी होने लगी। यह सारी बातें आशीष की जानकारी में थी। वैसे भी अंकित शादीशुदा था और मोना में उसकी कोई रूचि थी भी नहीं।

इधर आशीष ने मोना को अपने पास ज्यादा से ज्यादा रखने की एक योजना बनाई। उसका सोचना था कि अंकित का काम ज्यादा चलता ही है ऐसे में वह अगर मोना को अंकित के स्टूडियो पर नौकरी लगवा दे तो न केवल मोना को आर्थिक मदद होगी बल्कि मोना भी दिन भर उसके साथ रह सकेगी। इसलिए एक रोज उसने इस बारे में अंकित से बात की कि वो मोना को नौकरी पर रख ले।

अंकित ऐसा नहीं चाहता था लेकिन आशीष ने जब उस पर ज्यादा दबाव बनाया तो उसने मोना को काम पर रख लिया। जिससे अगले ही दिन से मोना भी अंकित के स्टूडियो पर काम पर आने लगी। इसी बीच एक लड़की को नौकरी पर रखने की बात जब अंकित के पिता को मालूम चली तो दुनिया देख चुके अंकित के पिता ने बेटे को इस बारे में समझाया और लड़की को काम पर रखने में अपनी असहमति जताई। अंकित पिता और पूरे परिवार को काफी सम्मान करता था इसलिए दो दिन बाद ही उसने मोना से क्षमा मांगते हुए उसे नौकरी पर रखने में अपनी असमर्थता जताई। जिससे मोना ने अंकित के स्टूडियो का काम दो दिन बाद ही छोड़ दिया। इस बात से आशीष बेहद दुखी और अंकित से नाराज था। उसने अंकित को मोना को वापस बुलाने को कहा लेकिन अंकित ने कह दिया कि पिता की मर्जी के बिना वह मोना को नौकरी पर नही रख सकता।

इस वाकया के बाद आशीष अंकित से नाराज रहने लगा था। लेकिन दूसरी तरह अंकित की पारिवारिक मजबूरी को समझते हुए मोना ने अंकित द्वारा उसे नौकरी न दिए जाने की बात का बुरा नहीं माना इसलिए उसकी पहले की तरह कभी-कभार अंकित से फोन पर बात और चैटिंग होती रही।

दूसरी तरफ अंकित का व्यापार लगातार बढ़ता जा रहा था। जिसके चलते कुछ लोग उससे जलन की भावना रखने लगे थे। चर्चा है कि ऐसे की कुछ लोगों ने आशीष का ब्रेन वॉश कर उसके दिमाग में यह बात

अंकित के लिये न्याय मांगते लोग।

बैठा दी कि अंकित नहीं चाहता था कि तुझे मोना के साथ रहने का मौका मिले इसीलिए उसने मोना को नौकरी पर नहीं रखा क्योंकि वो खुद मोना से प्यार करने लगा है। अंकित, आशीष का दोस्त था इसलिए वह उसके मन को अच्छी तरह से जानता था कि अंकित इस तरह का आदमी नहीं है लेकिन कहते हैं कि किसी आदमी के सामने एक ही झूठ को बार-बार बोला जाए तो वह सच लगने लगता है। शायद यही इस मामले में हुआ जिससे आशीष को शक हो गया कि अंकित का चक्कर उसकी गर्लफ्रेंड मोना के संग चल रहा है।

इसलिए वह अंकित पर नजर रखने लगा। मौका मिलने पर एक दो बार उसने अंकित को मोबाइल चेक किया जिसमें उसे मोना कि संग हुई अंकित की चैटिंग मिल गई। अपितु चैटिंग में ऐसा कुछ नहीं था जिससे की इस बात का शक किया जाए कि इस चैटिंग करने वालों के बीच में किसी तरह के प्रेम संबंध है। लेकिन अंकित ने कुछ और ही समझा। उसे लगा कि अंकित ने प्रेम मोहब्बत की बातें डिलीट कर दी हैं ताकि आशीष या खुद अंकित की पत्नी कभी इसे देखे तो शक न करे। इसलिए चैटिंग पढ़ने के बाद बजाए मन साफ करने के आशीष के मन में शक का जहर और गहरा गया। जिसके चलते उसने अंकित को सबक सिखाने के लिए उसे हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की ठान ली।

बताते हैं कि उसके इस निर्णय में कुछ और भी लोगों को हाथ था जो उसे अंकित के खिलाफ भड़काते रहते थे। मगर सच्चाई जो भी हो पुलिस की कहानी कहती है कि आशीष को शक था कि अंकित ने उसकी प्रेमिका मोना से रिश्ता बना लिया है। इसलिए उसने पूरी योजना बनाकर यह कदम उठाया।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अंकित से बदला लेना चाहता था इसलिए एक जनवरी को नए साल की पार्टी देने के बहाने अंकित को उसकी मोटर साइकल पर विदिशा वायपास के नजदीक रेलवे ट्रेक के पास ले गया। वहां ले जाकर मैंने अंकित का मोबाइल छीन लिया और फिर सोशल मीडिया पर मोना का एकाउंट ओपन कर उसमें मौजूद दोनों की चैटिंग दिखाकर अंकित से सच बताने को कहा। लेकिन अंकित एक ही रट लगाए था कि मोना से मेरी कोई निजी दोस्ती नहीं है वह तेरी फ्रेंड है इसी नाते उससे थोडी बहुत बात कभी कभार हो जाती है।

आशीष के अनुसार वह इस पूछताछ के दौरान लगातार अंकित को डंडे से पीटता जा रहा था। लेकिन वह मोना के साथ अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहा था। जिससे मेरा गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा था इसलिए मैंने उसे बुरी तरह पीटा जिससे कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। अंकित की मौत के बाद मैंने उसके शव को खींचकर झाड़ियों में फेंक दिया और उसकी गाड़ी तथा मोबाइल लेकर गुना चला गया जहां उसकी बाइक पीजी कॉलेज के पास खड़ी कर बस से पहले भोपाल और फिर भोपाल से ट्रेन पकड़कर अशोकनगर आ गया। पुलिस की माने तो आरोपी का कहना है कि उसने अकेले ही अंकित की हत्या की थी।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

हरदोई

ब्याज की रकम के बदले नबालिग बहनों से अय्याशी करने पहुंचे अधेड़ ज्वैलर्स को मिली मौत

उधार ली रकम पर मासिक ब्याज चुकाने में असफल रही मां को रियायत देने के बदले में बूढ़ा ज्वैलर्स नाबालिग बहनों से मस्ती करने की मांग कर रहा था। जिससे तंग आकर दोनों बहनों ने रिश्ते के तीन भाईयों के साथ मिलकर जिस्म की मांग करने वाले इस साहूकार का पूरा हिसाब ही कर दिया।

.....

हैलो! हरदोई के दुग्गा सीते बिहार कालोनी में पवन ज्वैलर्स के नाम से दुकान चलाने वाले 65 वर्षीय रूपनारायण सोनी ने सुबह-सुबह मोबाइल रिसीव करते हुए कहा।

हैलो अंकल में बोल रही हूं पिंकी।

हां बोलो।

अंकल मुझे आपकी शर्त मंजूर है।

सिर्फ तुम्हें या रिंकी को भी?

हम दोनों को, आप रात ठीक आठ बजे आ जाना। उस समय मम्मी मंदिर जाती है।

लौटती कब हैं।

10 बजे तक।

ठीक है, कुछ खाओगी तुम दोनों आईसक्रीम बगैरह।

नहीं मगर वो लेकर आना साथ में।

क्या?

अरे वो, आप नहीं जानते क्या।

साफ-साफ बताओ न।

अरे अंकल कंडोम।

अरे यार उसकी क्या जरूरत है।

अगर कुछ हो गया तो?

कुछ नहीं होगा।

नहीं आपको कंडोम लाना होगा, उसके बगैर नहीं।

ठीक है।

पर रात ठीक 8 बजे, लेट मत होना।

अरे नहीं दस मिनिट पहले की पहुंच जाऊंगा। कहते हुए रूपनारायण ने फोन रखते ही सुख की ऐसी गहरी सांस ली मानों उसकी जन्मों की इच्छा पूरी हो गई हो। 16-17 साल की दो बहनों के संग एक साथ मस्ती करने की बात सोचते ही उसकी नशों में खून उबलने लगा था।

उस रोज दिन भर रूपनारायण का मन दुकान में कम घड़ी पर ज्यादा लगा रहा। इसलिए जैसे ही शाम के साढे सात बजे वह दुकान से कुछ सौ मीटर की दूरी पर रहने वाली पिंकी-रिंकी के घर पहुंच गया। खटखटाने पर दरवाजा 17 वर्षीय पिंकी ने खोला तो दिन भर की उत्तेजना से भरा रूपनारायण खुद को रोक नहीं पाया उसने पिंकी के गाल पर चुटकी काटते हुए कहा, इतने दिन लगा दिए मेरी बात मानने में। तुम दोनों पहले मान जानती तो अब तो हम दसियों बार मस्ती कर चुके होते।

तो अब कर लेंगे, आप अंदर तो आईये। पिंकी ने दरवाजे से एक तरफ हटते हुए कहा और रूप नारायण के अंदर आते ही दरवाजा बंद कर दिया।

दूसरी तरफ चौक के डेहला कुआं कालोनी में जब रात 10 बजे तक रूपनारायण घर नहीं पहुंचे तो परिवार वाले यह सोचकर बेफ्रिक हो सो गए कि शायद वे दुकान के पास ही रहने वाली अपनी बहन के घर रुक गए होंगे। पहले भी ऐसा कई बार हुआ था इसलिए परिवार वालों ने रूपनारायण को फोन करना भी जरूरी नही समझा। फोन तो तब किया जब सुबह रूपनारायण घर नहीं पहुंचे। इस पर रूपनारायण के बहनोई नागेन्द्र सोनी ने बताया कि वो तो कल घर आए ही नहीं।

अब बात चिंता की थी इसलिए फूफा नागेन्द्र को लेकर रूपनारायण के दोनों बेटे दुकान पहुंचे तो यह देखकर चौंक गए कि दुकान की शटर तो गिरी थी मगर तालों में चाबी फंसी थी। अंदर जाकर देखने पर मालूम चला कि लगभग सवा दो किलो चांदी और ढेड़ सौ ग्राम सोने के सारे जेवर गायब हैं। जिससे 19 मार्च को परिवार वालों ने एक साथ चौक थाने में रूपनारायण की गुमशुदगी और दुकान में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

24 मार्च को घैलापुल के पास पुलिस ने एक सड़ा गला शव बरामद किया जिसकी पहचान अगले दिन परिजनों ने रूपनारायण सोनी के तौर पर कर दी। मामला अब गंभीर था इसलिए पुलिस ने बाजार और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो 18 मार्च की रात में तीन युवक रूपनारायण की दुकान में चाबी से ताला खोलकर अंदर दाखिल होते दिखाई दिए। युवकों ने अंदर जाकर शटर गिरा ली जिसके बाद दो युवतियां दुकान के बाहर आकर खड़ी होकर चौकीदारी करने लगी तथा थोड़ी देर के बाद दुकान से निकले तीनों युवकों के साथ चली गई। आसपास के लोग युवकों की पहचान तो नहीं कर सके लेकिन इस दौरान दुकान के बाहर खड़ी दोनों युवतियां रूपनारायण की दुकान से केवल ढेड-दो सौ मीटर दूर ही रहती थी इसलिए उनकी पहचान पिंकी और रिंकी(दोनों बदले नाम) के तौर पर हो गई। पुलिस ने दोनों नाबालिग बहनों को बुलाकर पूछताछ की जिससे उन्होंने जल्द ही तीनों युवकों के नाम गोलू, विनय और हंसराज के तौर पर बता दिए जो एक साथ ठाकुरगंज के एक मकान में किराये से रहते थे। इनमें से विनय दोनों बहनों का मौसेरा भाई है जबकि हंसराज विनय का ममेरा भाई है। ये दोनों प्राइवेट अस्पताल की ऐम्बुलेंस चलाने का काम करते है।

दोनों बहनें नाबालिग और तीनों आरोपियों की उम्र 19-20 साल है इसलिए पुलिस के सामने सभी ज्यादा देर नहीं टिक सके। जिससे उनके द्वारा अपराध स्वीकार करने के बाद पुलिस ने चोरी का माल भी बरामद कर बहनों को बाल सुधार गृह और तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया जिसके बाद बूढ़े हो चुके रूपनारायण सोनी की रंगीन मिजाजी में गई उनकी जान की कहानी इस प्रकार सामने आई।

पिंकी-रिंकी की मां ने जरूरत पढ़ने पर कोई चार महीने पहले पवन ज्वैलर्स संचालक रूपनारायण सोनी से 12 प्रतिशत ब्याज दर पर पैसा उधार लिया था। जिसका मासिक ब्याज 8 हजार रुपया प्रतिमाह चुकाने की शर्त थी। रूपया उधार लेने के बाद उन्होंने पहले माह तो ब्याज समय पर चुका दिया लेकिन 8 हजार रुपए की रकम कम नहीं होती इसलिए उसके बाद दो माह तक जब उन्होंने ब्याज नहीं दिया तो रूपनारायण सुबह-शाम पैसा मांगने घर आने लगा।

इसी बीच उनकी नजर परिवार की दो नाबालिग खूबसूरत बहन पिंकी-रिंकी पर पड़ी तो रंगीन मिजाज रूपनारायण ब्याज के बदले में दोनों बहनों को जाल में फंसाने का तरीका सोचने लगा। इसलिए उसने ऐसे समय पर पैसा मांगने आना शुरू कर दिया जब मां घर पर नहीं होती थी। इसी दौरान उसने पिंकी-रिंकी के मोबाइल नंबर भी ले लिए जिसके बाद उनसे फोन पर बातें करते हुए पैसा मांगने लगा। इस पर एक रोज बड़ी बहन पिंकी ने कहा अंकल हम कहां से पैसा देगे आप पूरा पैसा भी चुकता कर लूंगा।

पुलिस गिरफ्त में तीनों आरोपी।

जेब में दुकान की चाबी मिलने पर बदला इरादा

विनय ने बताया कि शव को ऐम्बुलेंस में ले जाते समय रूपनारायण की जेब में उसकी दुकान की चाबियां मिल जाने से चोरी योजना बनाई थी। चोरी के दौरान हमने पिंकी रिंकी को चौकीदारी के लिए साथ ले लिया। लेकिन सीसीटीवी में उनके पहचाने जाने से हमारी योजना सफल नहीं हो सकी।

ब्याज के बदले दोनों बहनों का करना चाहता था शिकार

मृतक रूपनारायण सोनी।

विनय ने बताया कि हमारी मौसी उधार लिए पैसे का ब्याज नहीं दे पा रही थी जिससे रूपनारायण पिंकी-रिंकी पर ब्याज के बदले में गंदा काम करने का दबाव बना रहा था। यह बात हमें मालूम चली हो हमने उसकी हत्या कर दी। चर्चा है कि पुलिस को पिंकी-रिंकी के मोबाइल में रूपनारायण द्वारा सेंड किए गए अश्लील फोटो और वीडियो मिले हैं।

जी, हम मम्मी को बता देंगे।

अरे पागल ऐसी बातें मम्मी को नहीं बताई जाती। यह बात हम तीनों के बीच रहेगी। मम्मी से कुछ मत कहना। कहकर रूपनारायण से फोन रख दिया।

17 साल की पिंकी समझ गई थी कि रूपनारायण की नीयत उसके और उसकी छोटी बहन रिंकी पर खराब हो चुकी है। लेकिन उसने मम्मी से इसलिए कुछ नहीं कहा क्योंकि वह जानती थी कि एक-एक पैसे को परेशान उसकी मां यह बात सुनकर और भी परेशान हो जाएगी। इससे रूपनारायण की हिम्मत और बढ़ गई। वह पिंकी और रिंकी के मोबाइल पर बेहद अश्लील मैसेज कर उनसे पैसों के बदले में शारीरिक संबंध बनाने की मांग खुलकर करने लगा। इससे परेशान होकर पिंकी-रिंकी ने यह बात अपने मौसेरे भाई विनय को बताई। इस पर विनय ने हंसराज और गोलू का रूपनारायण के लिए सबक सिखाने राजी कर लिया।

जिसके बाद योजना अनुसार 18 मार्च की सुबह पिंकी ने रूपनारायण को फोन कर रात में 8 बजे आने को कहा। तथा शाम साढ़े सात बजे के आसपास मां के मंदिर जाने के बाद पिंकी के फोन पर विनय, हंसराज और गोलू घर में आकर छुप गए। इधर दो-दो नाबालिग लड़कियों से मस्ती करने के सपने लेकर रूपनारायण ठीक 8 बजे वहां पहुंच गया।

रूपनारायण को खतरे का जरा भी अंदेशा नहीं था इसलिए जैसे ही उसको घर में अंदर कर के पिंकी से दरवाजा बंद किया रूपनारायण पागलों की तरह पिंकी को बाहों में लेकर उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लगा। यह देखते ही छुपकर बैठे तीनों दोस्त बाहर निकलकर रूपनारायण पर टूट पड़े। इसके बाद तीनों ने उसकी हत्या कर पिंकी-रिंकी की मां के वापस आने से पहले शव को ऐम्बुलेंस में ले जाकर घैला पुल के पास फेंक दिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।